License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

इब्रानियों 1:1

परमेश्वर ने पूर्व युग में कैसे बात की है?

परमेश्वर ने पूर्व युग में अनेक बार और विभिन्न तरीकों से भविष्यवक्ताओं के द्वारा बातें की है।

इब्रानियों 1:2

इन अन्तिम दिनों में परमेश्वर ने कैसे बातें की?

परमेश्वर ने इन अन्तिम दिनों में अपने पुत्र के द्वारा बातें की।

इब्रानियों 1:2 (#2)

सारी सृष्टि की रचना किसके द्वारा हुई?

सारी सृष्टि की रचना परमेश्वर के पुत्र के द्वारा हुई थी।

इब्रानियों 1:3

सब वस्तुएँ कैसे सम्भलती हैं?

सब वस्तुएँ परमेश्वर के पुत्र अपने वचन से सम्भालते हैं।

इब्रानियों 1:3 (#2)

पुत्र परमेश्वर की महिमा और उसके तत्व को कैसे प्रकट करते हैं?

पुत्र परमेश्वर की महिमा का प्रकाश और परमेश्वर के तत्व की छाप हैं।

इब्रानियों 1:4

परमेश्वर के पुत्र की तुलना स्वर्गदूतों से कैसे की जाती है?

परमेश्वर का पुत्र स्वर्गदूतों से कहीं अधिक उत्तम हैं।

इब्रानियों 1:6

जब परमेश्वर ने पुत्र को जगत में भेजा, तो उन्होंने स्वर्गदूतों को क्या करने की आज्ञा दी?

जब पुत्र को जगत में लाया गया परमेश्वर ने स्वर्गदूतों को आज्ञा दी कि वे पुत्र को दण्डवत् करें।

इब्रानियों 1:8

पुत्र एक राजा के रूप में कितने समय तक राज्य करेंगे?

पुत्र युगानुयुग एक राजा के रूप में शासन करेंगे।

इब्रानियों 1:9

पुत्र को किस बात से प्रेम है और पुत्र को किससे घृणा है?

पुत्र धार्मिकता से प्रेम करते हैं और अधर्म से घृणा करते हैं।

इब्रानियों 1:10–11

समय के साथ पृथ्वी और स्वर्ग का क्या होगा?

पृथ्वी और स्वर्ग एक वस्त्र के समान पुराने हो जाएँगे।

इब्रानियों 1:13

परमेश्वर ने पुत्र से कहाँ बैठने के लिए कहा, और कब तक?

परमेश्वर ने पुत्र से कहा कि वे उनके दाहिने बैठें जब तक परमेश्वर उनके बैरियों को उनके पाँवों के नीचे की चौकी न बना दें।

इब्रानियों 1:14

स्वर्गदूत किसकी सेवा करते हैं?

स्वर्गदूत उन लोगों की सेवा करते हैं जो उद्धार पानेवाले हैं।

इब्रानियों 2:1

विश्वासियों को जो उन्होंने सुना है उस पर ध्यान क्यों देना चाहिए?

विश्वासियों को उन बातों पर ध्यान देना चाहिए जो उन्होंने सुना है, ताकि ऐसा न हो कि बहक कर उनसे दूर चले जाएँ।

इब्रानियों 2:2

हर एक अपराध और आज्ञा न मानने का क्या बदला मिलेगा?

हर एक अपराध और आज्ञा न मानने का ठीक-ठीक बदला मिलेगा।

इब्रानियों 2:4

प्रभु द्वारा घोषित उद्धार के सन्देश की परमेश्वर ने किस प्रकार गवाही दी?

परमेश्वर ने सन्देश की गवाही चिन्हों, अद्‌भुत कामों, नाना प्रकार के सामर्थ्य के कामों और पवित्र आत्मा के वरदानों के बाँटने के द्वारा दी।

इब्रानियों 2:5

आनेवाले जगत पर कौन शासन नहीं करेंगे?

स्वर्गदूत आने वाले जगत पर शासन नहीं करेंगे।

इब्रानियों 2:7–8

आने वाले जगत पर कौन शासन करेंगे?

मनुष्य आने वाले जगत पर शासन करेंगे।

इब्रानियों 2:9

यीशु को महिमा और आदर के साथ मुकुट क्यों पहनाया गया?

यीशु को उनके मृत्यु का दुःख उठाने के कारण महिमा और आदर के साथ मुकुट पहनाया गया।

इब्रानियों 2:9 (#2)

यीशु ने किनके लिए मृत्यु का स्वाद चखा?

यीशु ने हर एक मनुष्य के लिये मृत्यु का स्वाद चखा।

इब्रानियों 2:10

परमेश्वर किन्हें महिमा में पहुँचाने की योजना बना रहे हैं?

परमेश्वर बहुत से पुत्रों को महिमा में पहुँचाने की योजना बना रहे हैं।

इब्रानियों 2:11

वे दो कौन हैं जो एक ही मूल, अर्थात् परमेश्वर से आते हैं?

पवित्र करनेवाले और जो पवित्र किए जाते हैं, दोनों एक ही मूल, अर्थात् परमेश्वर से आते हैं।

इब्रानियों 2:14

यीशु की मृत्यु के माध्यम से कौन निकम्मा कर दिया गया है?

शैतान यीशु की मृत्यु के द्वारा निकम्मा कर दिया गया है।

इब्रानियों 2:15

लोगों को यीशु की मृत्यु के माध्यम से किस दासत्व से छुटकारा प्राप्त होता है?

यीशु की मृत्यु के माध्यम से, लोग मृत्यु के भय से छुड़ा लिए जाते हैं।

इब्रानियों 2:17

यीशु के लिए सब बातों में अपने भाइयों के समान होना क्यों आवश्यक था?

यह आवश्यक था ताकि वह उन बातों में जो परमेश्वर से सम्बंध रखती हैं, एक दयालु और विश्वासयोग्य महायाजक बने ताकि लोगों के पापों के लिये प्रायश्चित करे।

इब्रानियों 2:18

यीशु उन लोगों की सहायता क्यों कर सकते हैं जिनकी परीक्षा होती है?

यीशु उन लोगों की सहायता कर सकते हैं जिनकी परीक्षा होती है क्योंकि वह भी परीक्षा में पड़े थे।

इब्रानियों 3:1

इब्रानियों की पुस्तक के लेखक के अनुसार, यीशु कौन-कौन सी दो भूमिकाएँ निभाते हैं?

लेखक कहते हैं कि यीशु एक प्रेरित और महायाजक हैं।

इब्रानियों 3:2–3

क्यों यीशु को मूसा से इतना बढ़कर महिमा के योग्य समझा गया है?

यीशु को इतना बढ़कर महिमा के योग्य समझा गया है क्योंकि जबकि मूसा परमेश्वर के सारे घर में नियुक्त थे, यीशु वही हैं जिन्होंने उस घर को बनाया है।

इब्रानियों 3:5

मूसा की परमेश्वर के घर में क्या भूमिका थी?

मूसा परमेश्वर के घर में एक सेवक के रूप में थे।

इब्रानियों 3:5 (#2)

मूसा ने किस विषय में गवाही दी?

मूसा ने उन बातों के बारे में गवाही दी जो होनेवाली थी।

इब्रानियों 3:6

परमेश्वर के घर में यीशु की क्या भूमिका है?

यीशु की भूमिका पुत्र के समान परमेश्वर के घर के अधिकारी हैं।

इब्रानियों 3:6 (#2)

परमेश्वर का घर कौन है?

विश्वासी परमेश्वर का घर हैं यदि वे अपने साहस पर दृढ़ता से स्थिर रहें।

इब्रानियों 3:7–8

जंगल में इस्राएलियों ने परमेश्वर का शब्द सुनकर क्या किया?

इस्राएलियों ने अपने मन कठोर कर लिए थे।

इब्रानियों 3:10–11

परमेश्वर ने उन इस्राएलियों के बारे में क्या शपथ खाई जिनके मन सदा भटकते रहते हैं?

परमेश्वर ने शपथ खाई कि वे उनके विश्राम में प्रवेश करने न पाएँगे।

इब्रानियों 3:12

भाइयों को किस बात के प्रति चौकस रहने की चेतावनी दी जाती है?

भाइयों को चेतावनी दी जाती है कि अविश्वासी मन के कारण जीविते परमेश्वर से दूर हट न जाए।

इब्रानियों 3:13

भाइयों को पाप के छल से कठोर होने से बचने के लिए क्या करना चाहिए?

भाइयों को हर दिन एक दूसरे को समझाते रहना है।

इब्रानियों 3:14

मसीह के भागीदार के रूप में, विश्वासियों को क्या करना चाहिए?

मसीह के भागीदार के रूप में, विश्वासियों को अपने प्रथम भरोसे पर अन्त तक दृढ़ता से स्थिर रहना चाहिए।

इब्रानियों 3:17

40 वर्षों तक परमेश्वर किससे क्रोधित रहे?

परमेश्वर जंगल में पाप करने वालों पर क्रोधित रहे।

इब्रानियों 3:17 (#2)

उन लोगों का क्या हुआ जिनसे परमेश्वर क्रोधित रहे?

उनके शव जंगल में पड़े रहे।

इब्रानियों 3:19

अवज्ञाकारी इस्राएली परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश क्यों नहीं कर पाए?

वे अविश्वास के कारण परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश नहीं कर सके।

इब्रानियों 4:2

विश्वासियों और इस्राएलियों ने कौन सा सुसमाचार सुना था?

विश्वासियों और इस्राएलियों दोनों ने परमेश्वर के विश्राम के विषय में सुसमाचार सुना था।

इब्रानियों 4:2 (#2)

सुसमाचार से इस्राएलियों को लाभ क्यों नहीं हुआ?

सुसमाचार का इस्राएलियों को कोई लाभ नहीं हुआ क्योंकि सुननेवालों के मन में विश्वास के साथ नहीं बैठा।

इब्रानियों 4:3

वे कौन हैं जो परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश करते हैं?

जो लोग विश्वास करते हैं, वे परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश पाते हैं।

इब्रानियों 4:3–4

परमेश्वर ने अपने सब कामों को निपटा करके और फिर कब विश्राम किया?

परमेश्वर ने जगत की उत्पत्ति के समय में अपने सब कामों को निपटा करके और फिर सातवें दिन विश्राम किया।

इब्रानियों 4:5–6

परमेश्वर ने इस्राएलियों और उनके विश्राम के विषय में क्या कहा?

परमेश्वर ने कहा कि इस्राएली उनके विश्राम में प्रवेश न करने पाएँगे।

इब्रानियों 4:7

परमेश्वर ने अब कौन सा दिन लोगों के लिए अपने विश्राम में प्रवेश करने के लिए निर्धारित किया है?

परमेश्वर ने लोगों के लिए अपने विश्राम में प्रवेश करने हेतु "आज" का दिन निर्धारित किया है।

इब्रानियों 4:7 (#2)

परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश करने के लिए एक व्यक्ति को क्या करना चाहिए?

व्यक्ति को परमेश्वर का शब्द सुनना चाहिए और अपने मन को कठोर नहीं करना चाहिए।

इब्रानियों 4:9

परमेश्वर के लोगों के लिए अभी भी क्या बाकी है?

परमेश्वर के लोगों के लिये सब्त का विश्राम बाकी है।

इब्रानियों 4:10

जो व्यक्ति परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश करता है उसे भी किससे विश्राम मिलता है?

जो व्यक्ति परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश करते हैं, वे अपने कामों को पूरा करके विश्राम करते हैं।

इब्रानियों 4:11

विश्वासियों को परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश करने के लिए प्रयत्न क्यों करना चाहिए?

विश्वासियों को परमेश्वर के विश्राम में प्रवेश करने के लिए प्रयत्न करना चाहिए ताकि ऐसा न हो, कि कोई जन इस्राएलियों के समान आज्ञा न मानकर गिर पड़े।

इब्रानियों 4:12

परमेश्वर का वचन किससे अधिक तेज है?

परमेश्वर का वचन किसी भी दोधारी तलवार से भी बहुत तेज है।

इब्रानियों 4:12 (#2)

परमेश्वर का वचन किसे अलग करने की सामर्थ्य रखता है?

परमेश्वर का वचन प्राण, आत्मा को, तथा गाँठ-गाँठ, और गूदे-गूदे को अलग करने में सक्षम है।

इब्रानियों 4:12 (#3)

परमेश्वर का वचन क्या जाँचने में सक्षम हैं?

परमेश्वर का वचन मन की भावनाओं और विचारों को जाँचने में सक्षम है।

इब्रानियों 4:13

परमेश्वर की दृष्टि से कौन या क्या छिपा नहीं है?

परमेश्वर की दृष्टि से कोई भी सृष्टि की वस्तु छिपी नहीं रहती।

इब्रानियों 4:14

विश्वासियों के लिए बड़े महायाजक के रूप में कौन सेवा करते हैं?

यीशु, परमेश्वर के पुत्र, विश्वासियों के लिए बड़े महायाजक के रूप में सेवा करते हैं।

इब्रानियों 4:15

यीशु विश्वासियों की निर्बलताओं के प्रति दुःख क्यों महसूस करते हैं?

यीशु विश्वासियों की निर्बलताओं में दुःख महसूस करते हैं क्योंकि वह सब बातों में हमारे समान परखे गए थे।

इब्रानियों 4:15 (#2)

यीशु ने कितनी बार पाप किया?

यीशु ने कभी पाप नहीं किया। यीशु निष्पाप थे।

इब्रानियों 4:16

आवश्यकता के समय में, विश्वासियों को दया प्राप्त करने और अनुग्रह पाने के लिए क्या करना चाहिए?

आवश्यकता के समय, विश्वासियों को साहस बाँधकर अनुग्रह के सिंहासन के निकट जाना चाहिए।

इब्रानियों 5:1

हर महायाजक लोगों की ओर से क्या करते हैं?

लोगों के लिए, प्रत्येक महायाजक पापों के लिए भेंट और पापबलि चढ़ाया करते हैं।

इब्रानियों 5:3

लोगों के अलावा, महायाजक और किनके लिए पापबलि चढ़ाया करते हैं?

महायाजक अपने स्वयं के पापों के लिए भी पापबलि चढ़ाया करते हैं।

इब्रानियों 5:4

एक व्यक्ति परमेश्वर के महायाजक होने का आदर कैसे प्राप्त करते हैं?

एक पुरुष को परमेश्वर द्वारा परमेश्वर के महायाजक के रूप में ठहराया जाना चाहिए।

इब्रानियों 5:5

मसीह को महायाजक किसने घोषित किया?

परमेश्वर ने मसीह को महायाजक के रूप में घोषित किया।

इब्रानियों 5:6

मसीह परमेश्वर के महायाजक कब तक रहेंगे?

मसीह परमेश्वर के महायाजक सदा के लिए हैं।

इब्रानियों 5:6 (#2)

मसीह किस रीति पर महायाजक हैं?

मसीह मलिकिसिदक की रीति पर एक महायाजक हैं।

इब्रानियों 5:7

जब मसीह ने प्रार्थना की, तो परमेश्वर ने उन्हें क्यों सुना?

मसीह को परमेश्वर ने उनके भक्ति के कारण सुना।

इब्रानियों 5:8

मसीह ने आज्ञा माननी कैसे सीखी?

मसीह ने दुःख उठा-उठाकर आज्ञा माननी सीखी।

इब्रानियों 5:9

मसीह किनके लिए सदाकाल के उद्धार का कारण बने?

जो कोई भी उनकी आज्ञा का पालन करता है, मसीह उनके लिए सदाकाल के उद्धार का कारण बन गए।

इब्रानियों 5:11

इस पत्र के मूल पाठकों की आत्मिक स्थिति कैसी थी?

मूल पाठक ऊँचा सुनने लगे थे।

इब्रानियों 5:14

पत्र के लेखक कैसे बताते हैं कि विश्वास करने वाले आत्मिक शिशुओं से पूर्ण विकसित वयस्कों में परिवर्तित होते हैं?

विश्वासी भले बुरे में भेद करने का अभ्यास करके, अच्छे और बुरे दोनों को पहचानकर आत्मिक रूप से बढ़ते हैं।

इब्रानियों 6:1

इब्रानियों के लेखक क्या चाहते हैं कि विश्वासियों को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए?

इब्रानियों के लेखक चाहते हैं कि विश्वासी सिद्धता की ओर बढ़ते जाएँ।

इब्रानियों 6:1–2

लेखक ने मसीह के सन्देश की नींव के रूप में किन शिक्षाओं को सूचीबद्ध किया है?

मूलभूत शिक्षाएँ मरे हुए कामों से मन फिराना, परमेश्वर पर विश्वास, बपतिस्मा, हाथ रखने, मरे हुओं के जी उठने, और अनन्त न्याय की हैं।

इब्रानियों 6:4–5

इन ज्योति पाए गए लोगों ने क्या प्राप्त किया था?

इन ज्योति पाए गए लोगों ने स्वर्गीय वरदान का स्वाद चखा था, पवित्र आत्मा के भागी बने, और परमेश्वर के उत्तम वचन और आने वाले युग की सामर्थ्य का स्वाद चख चुके थे।

इब्रानियों 6:4–6

उन लोगों के लिए क्या अनहोना है जिन्होंने मसीह में इतनी आशीषें प्राप्त कीं लेकिन फिर भटक जाएँ?

जिन्होंने मसीह में इतना कुछ प्राप्त किया, लेकिन फिर भटक गए, उन्हें मन फिराव के लिये फिर नया बनाना अनहोना है।

इब्रानियों 6:6

ये लोग मन फिराव के बाद नए क्यों नहीं बन सकते?

वे नए नहीं बन सकते क्योंकि उन्होंने परमेश्वर के पुत्र को अपने लिए फिर से क्रूस पर चढ़ाया है और प्रगट में उस पर कलंक लगाया है।

इब्रानियों 6:7–8

लेखक की उपमा में, उस भूमि का क्या होता है जो वर्षा प्राप्त करती है लेकिन झाड़ी और ऊँटकटारे उगाती है?

वह भूमि जो वर्षा प्राप्त करती है, लेकिन झाड़ी और ऊँटकटारे उगाती है, उसका अन्त जलाए जाने में होता है।

इब्रानियों 6:9

लेखक की उन विश्वासियों से क्या अपेक्षाएँ हैं जिनके लिए वे लिख रहे हैं?

लेखक इन विश्वासियों के बारे में अच्छी और उद्धारवाली बातों का भरोसा करते हैं।

इब्रानियों 6:10

इन विश्वासियों के बारे में परमेश्वर क्या नहीं भूलेंगे?

परमेश्वर उनके कार्य, परमेश्वर के प्रति प्रेम और पवित्र लोगों के प्रति सेवा को नहीं भूलेंगे।

इब्रानियों 6:12

विश्वासियों को उन लोगों के बारे में क्या अनुकरण करना चाहिए जिन्हें परमेश्वर की प्रतिज्ञाएँ विरासत में मिले हैं?

विश्वासियों को उन लोगों के विश्वास और धीरज का अनुकरण करना चाहिए जो परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं के वारिस हैं।

इब्रानियों 6:13–15

अब्राहम को परमेश्वर द्वारा दिए गए प्रतिज्ञा को प्राप्त करने के लिए क्या करना आवश्यक था?

अब्राहम को धीरज धरकर प्रतिज्ञा की हुई बात प्राप्त करना था।

इब्रानियों 6:17

परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा का आश्वासन शपथ के साथ क्यों दिया?

परमेश्वर ने अपने वादे को एक शपथ के साथ सुनिश्चित किया ताकि अपने उद्देश्य की अपरिवर्तनीयता को और अधिक स्पष्ट रूप से दिखा सकें।

इब्रानियों 6:18

परमेश्वर के लिए क्या अनहोना है?

परमेश्वर का झूठा ठहरना अनहोना है।

इब्रानियों 6:19

विश्वासी की परमेश्वर में आशा उनके प्राण के लिए क्या करती है?

विश्वासी की आशा परमेश्वर में उनके प्राण के लिए ऐसा लंगर है जो स्थिर और दृढ़ है।

इब्रानियों 6:19–20

विश्वासियों के लिए अगुए के रूप में यीशु कहाँ प्रवेश किए?

यीशु ने विश्वासियों के लिए अगुए के रूप में परदे के भीतर के आंतरिक स्थान में प्रवेश किया।

इब्रानियों 7:1

मलिकिसिदक के पास कौन-कौन से दो शीर्षक थे?

मलिकिसिदक शालेम के राजा और परमप्रधान परमेश्वर के याजक थे।

इब्रानियों 7:2

अब्राहम ने मलिकिसिदक को क्या दिया?

अब्राहम ने मलिकिसिदक को सब वस्तुओं का दसवाँ अंश दिया।

इब्रानियों 7:2 (#2)

मलिकिसिदक नाम का क्या अर्थ है?

मलिकिसिदक नाम का अर्थ है "धार्मिकता का राजा" और "शान्ति का राजा"।

इब्रानियों 7:3

मलिकिसिदक के पिता कौन थे, और उनके जीवन का अन्त कब है?

मलिकिसिदक के पिता नहीं थे और न जीवन का अन्त है।

इब्रानियों 7:5

वे याजक किस वंश से आते हैं जो व्यवस्था के अनुसार याजक होते हैं और जो लोगों से दसवाँ अंश इकट्ठा करते हैं?

व्यवस्था के याजक लेवी से उत्पन्न हुए हैं, और लेवी अब्राहम के वंशज हैं।

इब्रानियों 7:7

अब्राहम और मलिकिसिदक में से कौन बड़ा व्यक्ति थे?

मलिकिसिदक बड़े व्यक्ति थे क्योंकि उन्होंने अब्राहम को आशीष दिया।

इब्रानियों 7:9–10

लेवी ने स्वयं मलिकिसिदक को किस प्रकार से दसवाँ अंश अर्पित किया?

लेवी ने भी मलिकिसिदक को दसवाँ अंश दिया, क्योंकि लेवी अब्राहम की देह में थे, और अब्राहम ने मलिकिसिदक को दसवाँ अंश दिया।

इब्रानियों 7:12

जब याजक का पद बदलता है, तो और क्या बदलना आवश्यक होता है?

जब याजक का पद बदलता है, तब व्यवस्था को भी बदलना अवश्य है।

इब्रानियों 7:14

यीशु किस गोत्र से आए थे, और क्या इस गोत्र ने पहले वेदी पर याजक के रूप में सेवा की थी?

यीशु यहूदा के गोत्र से आए, जिन्होंने पहले कभी वेदी पर याजक के रूप में सेवा नहीं की थी।

इब्रानियों 7:16

यीशु मलिकिसिदक की व्यवस्था के अनुसार याजक कैसे बने?

यीशु मलिकिसिदक की व्यवस्था के अनुसार एक याजक बने, जो अविनाशी जीवन की सामर्थ्य के अनुसार है।

इब्रानियों 7:18–19

क्या लोप हो गई क्योंकि यह निर्बल और निष्फल है?

पहली आज्ञा, व्यवस्था, लोप हो गई है क्योंकि यह निर्बल और निष्फल है।

इब्रानियों 7:21

परमेश्वर ने यीशु के बारे में कौन सी शपथ खाई?

परमेश्वर ने शपथ खाई कि यीशु युगानुयुग एक याजक रहेंगे।

इब्रानियों 7:22

यीशु किस बात के जामिन ठहरते हैं?

यीशु एक उत्तम वाचा के जामिन ठहरते हैं।

इब्रानियों 7:25

यीशु उन लोगों का पूरा-पूरा उद्धार करने में सक्षम क्यों हैं जो उनके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं?

यीशु उन लोगों का जो उनके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं पूरा-पूरा उद्धार कर सकते हैं, क्योंकि वह उनके लिये विनती करने को सर्वदा जीवित हैं।

इब्रानियों 7:26

यीशु के कौन से चार गुण हैं जो उन्हें विश्वासियों के लिए आदर्श याजक बनाते हैं?

यीशु पवित्र, निष्कपट, निर्मल, और पापियों से अलग हैं।

इब्रानियों 7:26 (#2)

यीशु को अपने पापों के लिए कौन सी भेंट देनी पड़ी?

यीशु को अपने पापों के लिए कोई भेंट देने की आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि वे निष्पाप हैं।

इब्रानियों 7:27

यीशु ने लोगों के पापों के लिए कौन-सी भेंट चढ़ाई?

यीशु ने लोगों के पापों के लिए अपने आपको बलिदान चढ़ाकर उसे एक ही बार निपटा दिया।

इब्रानियों 7:28

व्यवस्था के माध्यम से नियुक्त याजकों से यीशु कैसे भिन्न हैं?

जो याजक व्यवस्था के माध्यम से नियुक्त किए गए थे, वे निर्बल थे, लेकिन यीशु को युगानुयुग के लिये सिद्ध किया गया है।

इब्रानियों 8:1

विश्वासियों के महायाजक कहाँ विराजमान हैं?

विश्वासियों के महायाजक स्वर्ग पर महामहिमन् के सिंहासन के दाहिने हाथ पर विराजमान हैं।

इब्रानियों 8:2

सच्चा तम्बू कहाँ स्थित है?

सच्चा तम्बू स्वर्ग में स्थित है।

इब्रानियों 8:3

प्रत्येक याजक के लिए क्या आवश्यक है?

हर याजक के पास कुछ चढ़ाने के लिये होना चाहिए।

इब्रानियों 8:4

वे याजक कहाँ थे जिन्होंने व्यवस्था के अनुसार भेंट चढ़ाई?

जो याजक व्यवस्था के अनुसार भेंट चढ़ाते थे, वे पृथ्वी पर रहते थे।

इब्रानियों 8:5

पृथ्वी पर याजकों ने कौन-कौन सी सेवाएँ कीं?

पृथ्वी पर याजक स्वर्ग में की वस्तुओं के प्रतिरूप और प्रतिबिम्ब की सेवा करते हैं।

इब्रानियों 8:5 (#2)

पृथ्वी पर स्थित तम्बू किस नमूने के अनुसार बनाया गया था?

पृथ्वी पर स्थित तम्बू उस नमूने के अनुसार बनाया गया था जो परमेश्वर ने मूसा को पहाड़ पर दिखाया था।

इब्रानियों 8:6

मसीह की याजकीय सेवकाई बढ़कर क्यों है?

मसीह की याजकीय सेवकाई बढ़कर है क्योंकि वे एक उत्तम वाचा के मध्यस्थ हैं, जो उत्तम प्रतिज्ञाओं पर आधारित है।

इब्रानियों 8:8

जब परमेश्वर ने पहली वाचा के तहत लोगों में दोष पाया, तो उन्होंने क्या वादा किया?

परमेश्वर ने इस्राएल के घराने और यहूदा के घराने के साथ एक नई वाचा बाँधने का वचन दिया।

इब्रानियों 8:10

परमेश्वर ने क्या कहा कि वे नई वाचा में क्या करेंगे?

परमेश्वर ने कहा कि वे अपनी व्यवस्था लोगों के मन में डालेंगे, और उन्हें उनके हृदय पर लिखेंगे।

इब्रानियों 8:11

नई वाचा में, प्रभु को कौन जान सकेगा?

नई वाचा में, सबसे छोटे से लेकर सबसे बड़े तक, सभी प्रभु को जान पाएँगे।

इब्रानियों 8:12

परमेश्वर ने कहा कि वह नई वाचा में लोगों के पापों का क्या करेंगे?

परमेश्वर ने कहा कि वे लोगों के पापों को अब और स्मरण नहीं करेंगे।

इब्रानियों 8:13

नई वाचा की स्थापना से, परमेश्वर ने पहली वाचा को क्या ठहराया?

नई वाचा की स्थापना से, परमेश्वर ने पहली वाचा को पुराना ठहराया, और जो वस्तु पुरानी और जीर्ण हो जाती है।

इब्रानियों 9:1-2

पहली वाचा के लिए आराधना का स्थान क्या था?

पहली वाचा के लिए आराधना का स्थान पृथ्वी पर पवित्रस्थान था, जिसे "तम्बू" कहा जाता था।

इब्रानियों 9:2

पृथ्वी के तम्बू के पवित्रस्थान में क्या रखा था?

पृथ्वी के तम्बू के पवित्रस्थान में दीवट, मेज, और भेंट की रोटी थीं।

इब्रानियों 9:3-4

पृथ्वी के तम्बू के परमपवित्र स्थान में क्या रखा था?

पृथ्वी के तम्बू के परमपवित्र स्थान में धूपदानी और वाचा का सन्दूक था।

इब्रानियों 9:7

महायाजक कितनी बार पवित्र स्थान में प्रवेश करते थे, और प्रवेश करने से पहले वे क्या करते थे?

महायाजक प्रत्येक वर्ष एक बार पवित्र स्थान में प्रवेश करते थे, अपने और लोगों के लिए लहू का बलिदान करने के बाद।

इब्रानियों 9:9

इस पत्र के पाठकों के लिए वर्तमान समय में एक उदाहरण के रूप में क्या काम आया?

पृथ्वी पर स्थित तम्बू और वहाँ प्रस्तुत किए जा रहे भेंट और बलिदान वर्तमान समय में एक उदाहरण के रूप में काम आए।

इब्रानियों 9:9 (#2)

पृथ्वी के तम्बू की भेंटें क्या करने में सक्षम नहीं थीं?

पृथ्वी के तम्बू की भेंटें आराधना करनेवालों के विवेक सिद्ध नहीं कर सकते थे।

इब्रानियों 9:10

पृथ्वी के तम्बू किस समय तक के लिये नियुक्त किए गए?

पृथ्वी के तम्बू नियुक्त किए गए थे जब तक कि नई विधि लागू नहीं हो जाती।

इब्रानियों 9:11

जिस पवित्र तम्बू में मसीह सेवा करते हैं, उसमें क्या विशेषता है?

जिस पवित्र तम्बू में मसीह सेवा करते हैं, वह और भी बड़ा है, मनुष्यों के हाथों से नहीं बना है, और सृष्टि का नहीं है।

इब्रानियों 9:12

मसीह ने कौन सी भेंट दी, जिसके द्वारा वे पवित्र स्थान में प्रवेश करते हैं?

मसीह ने अपने ही लहू की भेंट दी जिससे वे पवित्र स्थान में प्रवेश कर सके।

इब्रानियों 9:12 (#2)

मसीह की भेंट ने क्या प्राप्त किया?

मसीह की भेंट ने सभी के लिए अनन्त छुटकारा प्राप्त किया।

इब्रानियों 9:14

विश्वासियों के लिए मसीह का लहू क्या करता है?

मसीह का लहू विश्वासियों के विवेक को मरे हुए कामों से शुद्ध करता है ताकि वे जीवित परमेश्वर की सेवा कर सकें।

इब्रानियों 9:15

मसीह किसके मध्यस्थ हैं?

मसीह एक नई वाचा के मध्यस्थ हैं।

इब्रानियों 9:17

एक इच्छा को प्रभावी बनाने के लिए क्या आवश्यक है?

एक इच्छा को प्रभावी होने के लिए एक मृत्यु आवश्यक होती है।

इब्रानियों 9:18–19

पहली वाचा के लिए कौन सी मृत्यु आवश्यक थी?

पहली वाचा के लिए बछड़ों और बकरों का बलिदान आवश्यक था।

इब्रानियों 9:22

लहू बहाए बिना क्या सम्भव नहीं है?

लहू बहाए बिना पापों की क्षमा नहीं हो सकती।

इब्रानियों 9:24

मसीह अब हमारे लिए कहाँ दिखाई देते हैं?

मसीह अब हमारे लिए परमेश्वर के सामने, स्वर्ग में दिखाई देते हैं।

इब्रानियों 9:26

मसीह को स्वयं को बलिदान के द्वारा पाप को दूर करने के लिए कितनी बार अर्पित करना होगा?

मसीह युग के अन्त में, स्वयं के बलिदान द्वारा पाप को दूर करने के लिए स्वयं को एक बार प्रस्तुत करते हैं।

इब्रानियों 9:27

हर व्यक्ति के लिए, उनकी मृत्यु के बाद क्या होता है?

प्रत्येक व्यक्ति की मृत्यु के बाद, उन्हें न्याय का सामना करना पड़ता है।

इब्रानियों 9:28

मसीह दूसरी बार किस उद्देश्य से प्रकट होंगे?

मसीह दूसरी बार उन लोगों के उद्धार के लिए दिखाई देंगे जो उनके लिए उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं।

इब्रानियों 10:1

मसीह में वास्तविकताओं की तुलना में व्यवस्था क्या है?

व्यवस्था केवल मसीह में वास्तविकताओं का एक प्रतिबिम्ब मात्र है।

इब्रानियों 10:3

व्यवस्था के द्वारा किए गए बार-बार बलिदान आराधकों को किस बात की स्मरण कराते हैं?

व्यवस्था के द्वारा बार-बार किए गए बलिदान आराधकों को हर साल उनके किए गए पापों की याद दिलाते हैं।

इब्रानियों 10:4

बैलों और बकरों के लहू से क्या करना असम्भव है।

बैलों और बकरों के लहू से पापों को दूर करना सम्भव नहीं है।

इब्रानियों 10:5

जब मसीह जगत में आए, तो परमेश्वर ने मसीह के लिए क्या तैयार किया?

परमेश्वर ने मसीह के लिए एक देह तैयार की।

इब्रानियों 10:8

जब मसीह जगत में आए, तो परमेश्वर ने कौन सी प्रथा को समाप्त किया?

परमेश्वर ने व्यवस्था के अनुसार दिए गए बलिदानों की प्रारम्भिक प्रथा को अलग रखा।

इब्रानियों 10:10

जब मसीह जगत में आए, तब परमेश्वर ने कौन सी प्रथा स्थापित की?

परमेश्वर ने यीशु मसीह की देह की बलि की प्रथा को एक बार और सभी के लिए स्थापित किया।

इब्रानियों 10:12–13

मसीह परमेश्वर के दाहिने बैठे हुए किसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं?

मसीह प्रतीक्षा कर रहे हैं जब तक उनके बैरी उनके पाँवों के नीचे की चौकी नहीं बन जाते।

इब्रानियों 10:14

अपने एक ही चढ़ावे के द्वारा, मसीह ने उन पवित्र किए गए लोगों के लिए क्या किया है?

मसीह ने अपने एक ही चढ़ावे के द्वारा उन लोगों को हमेशा के लिए सिद्ध कर दिया है जो पवित्र किए जाते हैं।

इब्रानियों 10:18

जहाँ पापों की क्षमा है, वहाँ अब किसकी आवश्यकता नहीं है?

जहाँ पापों की क्षमा होती है, वहाँ अतिरिक्त बलिदानों की आवश्यकता नहीं है।

इब्रानियों 10:19

यीशु के लहू के द्वारा अब विश्वासी किस स्थान में प्रवेश कर सकते हैं?

विश्वासी अब यीशु के लहू के द्वारा पवित्रस्थान में प्रवेश कर सकते हैं।

इब्रानियों 10:22

विश्वासी पर क्या छिड़का गया है और क्या धोया गया है?

विश्वासी का हृदय एक दुष्ट विवेक से छिड़काव लेकर शुद्ध किया गया है, और उनकी देह शुद्ध जल से धोई गई है।

इब्रानियों 10:23

विश्वासियों को किस चीज़ को दृढ़ता से थामे रहना चाहिए?

विश्वासियों को अपनी आशा के अंगीकार को दृढ़ता से थामे रखना चाहिए।

इब्रानियों 10:25

ज्यों-ज्यों वे दिन निकट आते हैं, विश्वासियों को क्या करना चाहिए?

विश्वासियों को उस दिन के निकट आते हुए देखकर एक-दूसरे को अधिक से अधिक समझाते रहना चाहिए।

इब्रानियों 10:26–27

जो लोग सच्चाई की पहचान प्राप्त करने के बाद यदि जान बूझकर पाप करते रहें, उनके लिए क्या आशा है?

जो लोग सच्चाई की पहचान प्राप्त करने के बाद यदि जान बूझकर पाप करते रहें, उनके लिए केवल दण्ड और आग का ज्वलन बाकी है, जो परमेश्वर के विरोधियों को भस्म कर देता है।

इब्रानियों 10:28–29

वह व्यक्ति किस लायक है जो मसीह के लहू को, जिसके द्वारा वह पवित्र किया गया था, अपवित्र मानता है?

वह व्यक्ति जो मसीह के लहू को, जिसके द्वारा वह पवित्र किए गए थे, कुछ अपवित्र मानता है, वह व्यवस्था के अंतर्गत दिए गए दण्ड से परे बिना करुणा के दण्ड का पात्र है।

इब्रानियों 10:30

पलटा लेना किसका काम है?

पलटा लेना प्रभु का काम है।

इब्रानियों 10:34

इस पत्र को प्राप्त करने वाले विश्वासियों ने अपनी सम्पत्ति के लुटने पर कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी?

विश्वासियों ने अपने सम्पत्ति के लुटने को आनन्द के साथ स्वीकार किया, यह जानते हुए कि उनके पास एक उत्तम और सर्वदा ठहरनेवाली सम्पत्ति है।

इब्रानियों 10:35–36

विश्वासियों को परमेश्वर द्वारा दिए गए प्रतिज्ञा को प्राप्त करने के लिए क्या नहीं छोड़ना चाहिए?

विश्वासियों को अपना साहस न छोड़ने की आवश्यकता है ताकि वे वह प्राप्त कर सकें जो परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है।

इब्रानियों 10:38

धर्मी जन कैसे जीवित रहेंगे?

धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेंगे।

इब्रानियों 10:38 (#2)

परमेश्वर उन लोगों के बारे में क्या सोचते हैं जो पीछे हट जाते हैं?

परमेश्वर उन लोगों से प्रसन्न नहीं होते जो पीछे हट जाते हैं।

इब्रानियों 10:39

लेखक उन लोगों से क्या अपेक्षा रखते हैं जिन्होंने यह पत्र प्राप्त किया है?

लेखक की अपेक्षा है कि जिन लोगों को यह पत्र मिला है, वे अपने प्राणों को बचाएँगे।

इब्रानियों 11:1

विश्वास रखने वाले व्यक्ति का परमेश्वर की उन प्रतिज्ञाओं के प्रति क्या दृष्टिकोण होता है जो अभी पूरी नहीं हुई हैं?

विश्वास का व्यक्ति विश्वास के साथ परमेश्वर के उन प्रतिज्ञाओं की प्रतीक्षा करता है और उनके प्रति निश्चितता रखता है जो अभी तक पूरे नहीं हुए हैं।

इब्रानियों 11:3

सारी सृष्टि की देखने में आनेवाली वस्तुओं की रचना किससे हुई है?

सृष्टि की देखने में आनेवाली वस्तुएँ देखी हुई वस्तुओं से नहीं बनी थीं।

इब्रानियों 11:4

परमेश्वर ने हाबिल की धर्मी होने के कारण प्रशंसा क्यों की?

परमेश्वर ने हाबिल की प्रशंसा की क्योंकि हाबिल ने विश्वास के द्वारा परमेश्वर को कैन की तुलना में उत्तम बलिदान चढ़ाया।

इब्रानियों 11:6

जो कोई परमेश्वर के पास आता है, उसे परमेश्वर के विषय में क्या विश्वास करना चाहिए?

जो परमेश्वर के पास आते हैं, उन्हें विश्वास करना चाहिए कि परमेश्वर हैं और वह उन लोगों को प्रतिफल देते हैं जो उनकी खोज करते हैं।

इब्रानियों 11:7

नूह ने अपने विश्वास को कैसे प्रकट किया?

नूह ने परमेश्वर की चेतावनी के अनुसार अपने परिवार को बचाने के लिए एक जहाज बनाकर अपने विश्वास का प्रदर्शन किया।

इब्रानियों 11:11

अब्राहम और सारा ने विश्वास के द्वारा कौन सा वादा प्राप्त किया?

अब्राहम और सारा ने विश्वास के द्वारा गर्भ धारण करने की सामर्थ्य पाई, भले ही वे अत्यंत बूढ़े थे।

इब्रानियों 11:13

विश्वास के पूर्वजों ने दूर से क्या देखा था?

विश्वास के पूर्वजों ने परमेश्वर के प्रतिज्ञाओं को दूर से देखा और उन्हें मान लिया।

इब्रानियों 11:13 (#2)

विश्वास के पूर्वजों ने पृथ्वी पर स्वयं को क्या समझा?

विश्वास के पूर्वजों ने स्वयं को पृथ्वी पर परदेशी और बाहरी के रूप में देखा।

इब्रानियों 11:16

विश्वास रखने वालों के लिए परमेश्वर ने क्या तैयार किया है?

परमेश्वर ने विश्वास रखने वालों के लिए एक नगर तैयार किया है।

इब्रानियों 11:17–19

अब्राहम को क्या विश्वास था कि परमेश्वर क्या करने में सक्षम होंगे, जबकि उन्होने अपने इकलौते पुत्र इसहाक को बलिदान चढ़ा दिया था?

अब्राहम ने विश्वास किया कि परमेश्वर इसहाक को मरे हुओं में से जिला सकते हैं।

इब्रानियों 11:22

जब यूसुफ का अन्त निकट था, तो उन्होंने विश्वास के द्वारा क्या भविष्यवाणी की?

यूसुफ ने इस्राएल के सन्तान के मिस्र से निकल जाने की भविष्यवाणी की जब उनका अन्त निकट आ गया था।

इब्रानियों 11:24–26

जब मूसा सयाने हो गए, तो उन्होंने विश्वास से क्या करने का निर्णय लिया?

मूसा ने विश्वास के द्वारा परमेश्वर के लोगों के साथ दुःख भोगने का चुनाव किया, मसीह के कारण निन्दित होने को बड़ा धन समझते हुए।

इब्रानियों 11:28

मूसा ने विश्वास के द्वारा इस्राएलियों के पहलौठे पुत्रों को बचाने के लिए क्या किया?

मूसा ने विश्वास के द्वारा फसह और लहू के छिड़काव का पालन किया ताकि इस्राएलियों के पहलौठे पुत्रों की रक्षा की जा सके।

इब्रानियों 11:31

राहाब ने विश्वास के द्वारा क्या किया जिससे वह विनाश से बच गईं?

राहाब ने विश्वास के द्वारा भेदियों को कुशल से रखा, जिससे वह विनाश से बच गई।

इब्रानियों 11:33-34

विश्वास के कुछ पूर्वजों ने युद्ध में क्या प्राप्त किया?

विश्वास के कुछ पूर्वजों ने राज्य जीते, तलवार से बच निकले, लड़ाई में वीर निकले, और विदेशियों की फौजों को मार भगाया।

इब्रानियों 11:35-38

विश्वास के कुछ पूर्वजों ने क्या सहन किया?

विश्वास के कुछ पूर्वजों ने मार खाया, उपहास में उड़ाए गए, कोड़े खाए, बाँधे गए, कैद में पड़ने के द्वारा परखे गए, पथराव किए गए, आरे से चीरे गए, तलवार से मारे गए और कंगाली का सामना किया।

इब्रानियों 11:39

इन पूर्वजों के विश्वास के बावजूद, उन्होंने अपने सांसारिक जीवन में क्या प्राप्त नहीं किया?

इन पूर्वजों के विश्वास के बावजूद, उन्होंने अपने सांसारिक जीवन में वह प्राप्त नहीं किया जो परमेश्वर ने उनसे प्रतिज्ञा की थी।

इब्रानियों 11:40

विश्वास के पूर्वज परमेश्वर की प्रतिज्ञाएँ किनके साथ प्राप्त करेंगे और सिद्धता को पहुँचेंगे?

विश्वास के पूर्वज परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं को, मसीह में नई वाचा के विश्वासियों के साथ प्राप्त करेंगे और सिद्ध होंगे।

इब्रानियों 12:1

विश्वासियों को उस पाप को क्यों दूर करना चाहिए जो उन्हें आसानी से उलझा देता है?

विश्वासियों को उस पाप को दूर फेंक देना चाहिए जो उन्हें आसानी से उलझा देता है, ताकि वह दौड़ जिसमें उन्हें दौड़ना है, धीरज से दौड़ें।

इब्रानियों 12:2

यीशु ने क्रूस को क्यों सहा और उसकी लज्जा की कुछ चिन्ता क्यों नहीं की?

यीशु ने उस आनन्द के लिये जो उसके आगे धरा था क्रूस को सहा और लज्जा की कुछ चिन्ता नहीं की।

इब्रानियों 12:3

एक विश्वासी निराशा और साहस छोड़ देने से कैसे बच सकता है?

उस यीशु पर ध्यान करके, जिसने अपने विरोध में पापियों का इतना वाद-विवाद सह लिया, एक विश्वासी निराशा और साहस छोड़ देने से बच सकता है।

इब्रानियों 12:6

प्रभु उन लोगों के साथ क्या करते हैं जिन्हें वे प्रेम करते हैं और अपना लेते हैं?

प्रभु उन लोगों को अनुशासित करते हैं जिन्हें वे प्रेम और अपनी संतान बना लेते हैं।

इब्रानियों 12:8

एक व्यक्ति जो प्रभु के अनुशासन का पालन नहीं करता, वह कैसा होता है?

जिस व्यक्ति के पास प्रभु की ताड़ना नहीं है, वह व्यभिचार की सन्तान है और परमेश्वर की सन्तान नहीं है।

इब्रानियों 12:10

परमेश्वर अपने बच्चों को ताड़ना क्यों देते हैं?

परमेश्वर अपने बच्चों को उनके भले के लिए ताड़ना देते हैं, ताकि वे उनकी पवित्रता में सहभागी बन सकें।

इब्रानियों 12:11

ताड़ना से क्या उत्पन्न होता है?

ताड़ना धार्मिकता का प्रतिफल उत्पन्न करता है।

इब्रानियों 12:14

विश्वासियों को सभी लोगों के साथ क्या करना आवश्यक है?

विश्वासियों को सभी लोगों के साथ मेल मिलाप रखने का प्रयास करना चाहिए।

इब्रानियों 12:15

क्या फूटकर कष्ट नहीं देना चाहिए और उसके द्वारा बहुत से लोगों को अशुद्ध नहीं करना चाहिए?

कड़वी जड़ फूटकर कष्ट नहीं देना चाहिए और उसके द्वारा बहुत से लोगों को अशुद्ध नहीं करना चाहिए।

इब्रानियों 12:17

एसाव का क्या हुआ जब उसने अपना पहलौठे होने का पद बेचने के बाद आँसुओं के साथ आशीष प्राप्त करना चाहा?

जब एसाव आशीष पानी चाही, तो अयोग्य गिना गया, और आँसू बहा बहाकर खोजने पर भी मन फिराव का अवसर उसे न मिला।

इब्रानियों 12:19

जिस पर्वत पर परमेश्वर ने बात की, वहाँ इस्राएलियों ने किसके लिए प्रार्थना की?

इस्राएलियों ने प्रार्थना की कि उनसे और बातें न की जाएँ।

इब्रानियों 12:22

मसीह में विश्वास करने वाले उस पहाड़ के बजाय कहाँ आते हैं जहाँ इस्राएलियों ने परमेश्वर का शब्द सुना था?

मसीह में विश्वास रखने वाले सिय्योन पर्वत और जीवित परमेश्वर के नगर में आते हैं।

इब्रानियों 12:23

विश्वासियों का मसीह में कौन सी सभा में आगमन होता है?

मसीह में विश्वास करने वाले उन पहिलौठों की साधारण सभा और कलीसिया जिनके नाम स्वर्ग में लिखे हुए हैं, सम्मिलित होते हैं।

इब्रानियों 12:23-24

मसीह में विश्वास करने वाले किसके पास आते हैं?

मसीह में विश्वास करने वाले सभी न्यायी परमेश्वर के पास, धर्मियों की आत्माओं के पास, और यीशु के पास आते हैं।

इब्रानियों 12:25

जो लोग स्वर्ग से चेतावनी देने वाले से मुँह फेर लेते हैं, उनके साथ क्या होगा?

जो लोग मुँह फेर लेते हैं, वे परमेश्वर से नहीं बच सकते हैं।

इब्रानियों 12:26

परमेश्वर ने क्या हिलाने की प्रतिज्ञा की है?

परमेश्वर ने पृथ्वी और स्वर्ग को हिलाने की प्रतिज्ञा दी है।

इब्रानियों 12:28

जो चीजें हिल सकती हैं, उनके स्थान पर विश्वासियों को क्या प्राप्त होगा?

विश्वासियों को एक ऐसा राज्य प्राप्त होगा जो हिलने का नहीं।

इब्रानियों 12:28 (#2)

विश्वासियों को परमेश्वर की आराधना कैसे करनी चाहिए?

विश्वासियों को भक्ति, और भय सहित परमेश्वर की आराधना करनी चाहिए।

इब्रानियों 12:29

विश्वासियों को परमेश्वर की आराधना इस प्रकार क्यों करनी चाहिए?

विश्वासियों को इस प्रकार परमेश्वर की आराधना करनी चाहिए क्योंकि वे भस्म करने वाली आग हैं।

इब्रानियों 13:2

कुछ लोगों ने अजनबियों का अतिथि-सत्कार करके क्या किया है?

कुछ लोगों ने अनजाने में स्वर्गदूतों का आदर-सत्कार किया है।

इब्रानियों 13:3

विश्वासियों को कैदियों की कैसी सुधि लेनी चाहिए?

विश्वासियों को कैदियों की ऐसी सुधि लेनी चाहिए जैसे वे स्वयं भी कैद में हों, और जैसे उनके शरीर के साथ भी बुरा बर्ताव किया जा रहा हो।

इब्रानियों 13:4

किस बात को सब में आदर की बात समझी जाए?

विवाह सब में आदर की बात समझी जाए।

इब्रानियों 13:4 (#2)

परमेश्वर व्यभिचारियों और परस्त्रीगामियों के साथ क्या करते हैं?

परमेश्वर व्यभिचारियों और परस्त्रीगामियों का न्याय करेंगे।

इब्रानियों 13:5

एक विश्वासी लोभरहित कैसे हो सकते हैं?

एक विश्वासी लोभरहित हो सकता है क्योंकि परमेश्वर ने कहा है कि वे उसे कभी नहीं छोड़ेंगे और न ही त्यागेंगे।

इब्रानियों 13:7

विश्वासियों को किसके विश्वास का अनुकरण करना चाहिए?

विश्वासियों को उन लोगों के विश्वास का अनुकरण करना चाहिए जो उनके अगुए थे और जिन्होंने उन्हें परमेश्वर का वचन सुनाया है।

इब्रानियों 13:9

लेखक किस प्रकार की भरमाने वाली शिक्षाओं के बारे में विश्वासियों को चेतावनी देते हैं?

लेखक विश्वासियों को भोजन से सम्बन्धित नियमों के बारे में नाना प्रकार के शिक्षाओं के प्रति चेतावनी देते हैं।

इब्रानियों 13:11

पवित्रस्थान में पापबलि के लिए उपयोग किए गए पशुओं की देह कहाँ जलाए जाते थे?

पशुओं की देह छावनी के बाहर जलाए जाते थे।

इब्रानियों 13:12

यीशु ने कहाँ दुःख उठाया?

यीशु ने नगर के फाटक के बाहर दुःख उठाया।

इब्रानियों 13:13

विश्वासियों को कहाँ जाना चाहिए, और क्यों?

विश्वासियों को यीशु के पास छावनी के बाहर जाना चाहिए, उनकी निन्दा अपने ऊपर लिए हुए।

इब्रानियों 13:14

विश्वासियों के पास यहाँ पृथ्वी पर कौन सा स्थिर रहनेवाला नगर है?

विश्वासियों के लिए यहाँ पृथ्वी पर कोई स्थिर रहनेवाला नगर नहीं है।

इब्रानियों 13:14 (#2)

विश्वासी किस नगर की खोज करते हैं?

विश्वासी आनेवाले नगर की खोज करते हैं।

इब्रानियों 13:15

विश्वासियों को परमेश्वर को सर्वदा कौन सा बलिदान चढ़ाना चाहिए?

विश्वासियों को सर्वदा परमेश्वर के लिए स्तुतिरूपी बलिदान चढ़ाना चाहिए।

इब्रानियों 13:17

विश्वासियों का अपने अगुओं के प्रति क्या दृष्टिकोण होना चाहिए?

विश्वासियों को अपने अगुओं की मानना चाहिए और उनके अधीन रहना चाहिए।

इब्रानियों 13:21

विश्वासियों में परमेश्वर क्या कार्य करते हैं?

परमेश्वर विश्वासी में वही कार्य करता है जो परमेश्वर की दृष्टि में भाता है।

इब्रानियों 13:23

लेखक जब विश्वासियों से मिलने आएँगे तो वे किनके साथ आएँगे?

लेखक विश्वासियों से मिलने के लिए तीमुथियुस के साथ आएँगे।